स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)
(एम.ए.जे.वाई.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2022

एम.जे.वाई.-003 : पञ्चांग एवं मुहूर्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल **दो** खण्डों में विभाजित हैं । दोनों खण्ड **अनिवार्य** हैं । खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

*निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए । प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं ।* *3×20=60*

1. पञ्चांग की निर्माण परम्परा का विस्तार से वर्णन कीजिए ।

2. भारतीय पञ्चांग के अर्थ, स्वरूप तथा भेदों का सुविस्तृत वर्णन कीजिए ।

3. संस्कार का अर्थ क्या है ? सोलह संस्कारों का नामोल्लेख करते हुए इनकी उपयोगिता एवं महत्त्व का विस्तार से वर्णन कीजिए ।

4. वार का अर्थ बताते हुए इसके साधन के नियमों का उल्लेख कीजिए ।

5. ज्योतिष के अनुसार नक्षत्रों की संख्या तथा इनके साधन के नियमों का उल्लेख कीजिए ।

6. योग से आप क्या समझते हैं ? पठित अंश के आधार पर योगसाधन का वर्णन कीजिए ।

खण्ड ख

*निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं ।* *4×10=40*

7. पञ्चांग के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

8. करण साधन का वर्णन कीजिए ।

9. तिथि को परिभाषित करते हुए तिथियों के स्वामी का वर्णन कीजिए ।

10. वैदिक साहित्य में मुहूर्त का क्या स्वरूप है ? वर्णन कीजिए ।

11. संस्कारों के प्रयोजन व आवश्यकता का वर्णन करते हुए सिद्ध कीजिए कि सोलह संस्कार हमारे लिए क्यों उपयोगी हैं ।

12. उपनयन संस्कार के स्वरूप और मुहूर्त का वर्णन कीजिए ।

13. द्विरागमन और यात्रा मुहूर्त का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए ।

14. व्रत से आप क्या समझते हैं ? व्रत संबंधी तिथियों और दिनों का वर्णन कीजिए ।